WITHDRAWAL POLICIES

A cadet may be withdrawn from school based on the following criteria:

1. **Withdrawal for poor academic performance:** One failure during the 'Orientation Period' (Classes VI, VII and VIII) can be condoned by permitting the cadet to repeat the class in which he/she fails. The scholarship granted will continue to be available to the cadet during this period. However, in case of cadets who are between 11-12 years of age at time of admission, they will be withdrawn in case of any failure even during the orientation period. If a cadet fails after the orientation period, he/she will be withdrawn. This will be applicable to all cadets, boarders as well as day scholars. Day scholars i.e., staff children, officer's children and children of the APTC instructors as well as service personnel posted to NCC in Sainik Schools, who join the school in a class higher than class VI, will be permitted one failure in any class during the entire stay at the school.

2. **Withdrawal on Disciplinary grounds:** The Principal may in the interest of school order withdrawal of a cadet from the school, should the cadet's conduct, adherence to policy, behaviour or influence, in the opinion of the principal, be detrimental to the general discipline/ interest of the school. In such a case, refund of scholarship may not be insisted. The Principal should, however, report such withdrawals to the Local Board of Administration at its next meeting and to the Hony Secretary immediately, who on the merits of the case will decide as to whether the scholarship money with damages, if any, need be recovered from the parent.

3. **Withdrawal on Medical grounds:** In addition to the initial medical examination arranged at the time of admission, the school will arrange a thorough medical examination of cadets every year to minimize medical rejections at the Service Selection Boards. Even after the admission, if a cadet is found medically unfit at any stage, and in the opinion of the competent medical authority the disability is likely to render the cadet unfit for entry in to the regular Armed Forces, the scholarship granted to the cadet will be withdrawn at once. He/ She may, however, be permitted to continue studies in the school on payment of full fees from the date, he/she was found medically unfit, provided he/she does not constitute a health hazard to other cadets , in which case, the cadet must be withdrawn from the school at once. The provision for continuing as a full fee-paying cadets will not be applicable to cadets who may be found to be suffering from Hansen's disease, as they must be compulsorily withdrawn from the school immediately on detection of the disease by a competent medical authority. This type of case must be intimated to the State Govt and to the Hony Secretary, Sainik Schools Society.

4. **Withdrawal on Non-payment of fees:** All fees are payable in advance and can be paid for a year or a quarter in advance. Payment should be made at least quarterly and payable before the beginning of the quarter. If dues are not received by the first day of the month by which they are to be paid, a reminder will be sent informing the parent/guardian that if the amount due is not paid by the 15thof the month and in case of default, the cadet will be struck off the rolls of the school and sent home. After waiting for fifteen days, the cadet may be sent home at the parent's cost and the expenditure will be deducted from the caution money. The school leaving/transfer certificate will, however, not be issued until all dues are cleared to the school and the scholarship money, if enjoyed by the cadet, is refunded. In case of repeated defaults of this nature of payment of fees by the parent/guardian, it will not be obligatory for the school to send a reminder, and the last such reminder will contain a suitable warning to this effect.

5. **Withdrawal on Parent Request:** All cadets are admitted to the school on the understanding that they will remain in the school for the entire course. In case any of the parent wants to withdraw their child on any account, including revision of fees/ scholarship, the parent must give the notice of withdrawal in writing to the principal at least two months before the commencement of the following term. Failure to give this notice will entail forfeiture of caution money. Parents of cadets who are in receipt of scholarships can withdraw them only after repayment of the total amount of scholarship enjoyed by the cadets.

निकासी नीतियाँ

एक कैडेट को निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर स्कूल से निकाला जा सकता है:

1. खराब शैक्षणिक प्रदर्शन के कारण निकासी: 'ओरिएंटेशन अवधि' (कक्षा VI, VII और VIII) के दौरान एक बार असफल होने पर कैडेट को वह कक्षा दोहराने की अनुमति देकर माफ किया जा सकता है जिसमें वह असफल हुआ है। इस अवधि के दौरान कैडेट को छात्रवृत्ति मिलती रहेगी। हालांकि, प्रवेश के समय 11-12 वर्ष की आयु के कैडेटों के मामले में, उन्हें ओरिएंटेशन अवधि के दौरान भी किसी भी विफलता के मामले में निकाल दिया जाएगा। यदि कोई कैडेट ओरिएंटेशन अवधि के बाद असफल होता है, तो उसे निकाल दिया जाएगा। यह सभी कैडेटों, बोर्डर के साथ-साथ डे स्कॉलर पर भी लागू होगा। डे स्कॉलर यानी स्टाफ के बच्चे, अधिकारी के बच्चे और सैनिक स्कूलों में एनसीसी में तैनात एटीपीसी प्रशिक्षकों के साथ-साथ सेवारत कर्मियों के बच्चे, जो कक्षा VI से उच्च कक्षा में स्कूल में शामिल होते हैं, उन्हें स्कूल में रहने के दौरान किसी भी कक्षा में एक बार असफल होने की अनुमति दी जाएगी।

2. अनुशासनात्मक आधार पर निकासी: प्रधानाचार्य स्कूल के हित में एक कैडेट को स्कूल से वापस ले सकते हैं, यदि कैडेट का आचरण, नीति का पालन, व्यवहार या प्रभाव, प्रधानाचार्य की राय में, स्कूल के सामान्य अनुशासन/हित के लिए हानिकारक हो। ऐसे मामले में, छात्रवृत्ति की वापसी पर जोर नहीं दिया जा सकता है। हालांकि, प्रधानाचार्य को ऐसी निकासी की सूचना स्थानीय प्रशासन बोर्ड को उसकी अगली बैठक में और मानद सचिव को तुरंत देनी चाहिए, जो मामले की खूबियों के आधार पर तय करेगा कि छात्रवृत्ति राशि, यदि कोई क्षति हुई है, तो माता-पिता से वसूल की जानी चाहिए या नहीं।

3. चिकित्सा आधार पर निकासी: प्रवेश के समय आयोजित प्रारंभिक चिकित्सा परीक्षण के अलावा, स्कूल सर्विस सेलेक्शन बोर्ड में चिकित्सा अस्वीकृति को कम करने के लिए हर साल कैडेटों की गहन चिकित्सा परीक्षा की व्यवस्था करेगा। प्रवेश के बाद भी, यदि किसी भी स्तर पर कोई कैडेट चिकित्सकीय रूप से अनुपयुक्त पाया जाता है, और सक्षम चिकित्सा प्राधिकरण की राय में विकलांगता कैडेट को नियमित सशस्त्र बलों में प्रवेश के लिए अनुपयुक्त बनाने की संभावना है, तो कैडेट को दी गई छात्रवृत्ति तुरंत वापस ले ली जाएगी। हालांकि, उसे उस तारीख से पूर्ण शुल्क के भुगतान पर स्कूल में पढ़ाई जारी रखने की अनुमति दी जा सकती है, जिस तारीख से उसे चिकित्सकीय रूप से अनुपयुक्त पाया गया था, बशर्ते कि वह अन्य कैडेटों के लिए स्वास्थ्य खतरा न बने, ऐसी स्थिति में, कैडेट को तुरंत स्कूल से वापस ले लिया जाना चाहिए। पूर्ण शुल्क-भुगतान करने वाले कैडेटों के रूप में जारी रखने का प्रावधान उन कैडेटों पर लागू नहीं होगा जो कुष्ठ रोग से पीड़ित पाए जाते हैं, क्योंकि उन्हें सक्षम चिकित्सा प्राधिकरण द्वारा रोग का पता चलने पर तुरंत स्कूल से अनिवार्य रूप से वापस ले लिया जाना चाहिए। इस प्रकार के मामले की सूचना राज्य सरकार और सैनिक स्कूल सोसायटी के मानद सचिव को दी जानी चाहिए।

4. शुल्क का भुगतान न करने पर निकासी: सभी शुल्क अग्रिम देय हैं और एक वर्ष या एक तिमाही के लिए अग्रिम भुगतान किया जा सकता है। भुगतान कम से कम त्रैमासिक होना चाहिए और तिमाही की शुरुआत से पहले देय होना चाहिए। यदि देय राशि उस महीने की पहली तारीख तक प्राप्त नहीं होती है जिस तक उनका भुगतान किया जाना है, तो एक अनुस्मारक भेजा जाएगा जिसमें माता-पिता/अभिभावक को सूचित किया जाएगा कि यदि देय राशि महीने की 15 तारीख तक भुगतान नहीं की जाती है और चूक के मामले में, कैडेट का नाम स्कूल के रजिस्टर से हटा दिया जाएगा और उसे घर भेज दिया जाएगा। पंद्रह दिनों तक इंतजार करने के बाद, कैडेट को माता-पिता के खर्च पर घर भेजा जा सकता है और खर्च सावधानी राशि से काटा जाएगा। हालांकि, स्कूल छोड़ने/स्थानांतरण प्रमाण पत्र तब तक जारी नहीं किया जाएगा जब तक स्कूल के सभी बकाया राशि का भुगतान नहीं हो जाता और यदि कैडेट द्वारा छात्रवृत्ति का लाभ उठाया गया है, तो उसे वापस नहीं किया जाता है। माता-पिता/अभिभावक द्वारा शुल्क के भुगतान में इस प्रकृति की बार-बार चूक के मामले में, स्कूल के लिए अनुस्मारक भेजना अनिवार्य नहीं होगा, और अंतिम ऐसे अनुस्मारक में इस आशय की उपयुक्त चेतावनी होगी।

5. माता-पिता के अनुरोध पर निकासी: सभी कैडेटों को इस समझ के साथ स्कूल में प्रवेश दिया जाता है कि वे पूरे पाठ्यक्रम के लिए स्कूल में रहेंगे। यदि कोई भी माता-पिता किसी भी कारण से, जिसमें शुल्क/छात्रवृत्ति का संशोधन शामिल है, अपने बच्चे को वापस लेना चाहते हैं, तो माता-पिता को अगले सत्र के शुरू होने से कम से कम दो महीने पहले प्रधानाचार्य को लिखित रूप में निकासी की सूचना देनी होगी। इस सूचना को देने में विफलता पर सावधानी राशि जब्त हो जाएगी। जिन कैडेटों के माता-पिता छात्रवृत्ति प्राप्त कर रहे हैं,

माघार अटी

एखाद्या कॅडेटला खालील निकषांनुसार शाळेतून काढण्यात येऊ शकते:

१. शैक्षणिक कामगिरीतील कमतरतेमुळे माघार: 'अभ्यासपूर्व कालावधी' (वर्ग ६ वी, ७ वी आणि ८ वी) दरम्यान एकदा अनुत्तीर्ण झाल्यास, संबंधित कॅडेटला अनुत्तीर्ण झालेला वर्ग पुन्हा करण्याची अनुमती देऊन सवलत दिली जाऊ शकते. या कालावधीतही कॅडेटला शिष्यवृत्तीचा लाभ मिळत राहील. तथापि, ज्या कॅडेट्सचा प्रवेशाच्या वेळी वय ११-१२ वर्षे असेल, अशा कॅडेट्सना अभ्यासपूर्व कालावधीतही कोणत्याही विषयात अनुत्तीर्ण झाल्यास तत्काळ काढण्यात येईल. अभ्यासपूर्व कालावधीनंतर एखादा कॅडेट अनुत्तीर्ण झाल्यास, त्याला शाळेतून काढण्यात येईल. हे धोरण सर्व कॅडेट्सना, निवासी तसेच दैनंदिन विद्यार्थ्यांसाठी लागू राहील. दैनंदिन विद्यार्थी म्हणजेच कर्मचारी, अधिकारी आणि सैनिक शाळांमध्ये राष्ट्रीय छात्र सेनेत (NCC) कार्यरत असलेल्या एटीपीसी प्रशिक्षक तसेच सेवेतील कर्मचाऱ्यांची पाल्ये, जे वर्ग ६ वी पेक्षा उच्च वर्गात शाळेत प्रवेश घेतात, त्यांना शाळेतील संपूर्ण मुक्कामादरम्यान कोणत्याही एका वर्गात अनुत्तीर्ण होण्याची एक वेळची सवलत दिली जाईल.

२. शिस्तभंगाच्या कारणास्तव माघार: शाळेच्या हितासाठी, मुख्याध्यापक कोणत्याही कॅडेटला शाळेतून काढू शकतात, जर मुख्याध्यापकांच्या मतानुसार कॅडेटचे वर्तन, धोरणांचे पालन, आचरण किंवा प्रभाव शाळेच्या सामान्य शिस्त/हितासाठी हानिकारक ठरत असेल. अशा परिस्थितीत, शिष्यवृत्तीची रक्कम परत घेण्याचा आग्रह धरला जाणार नाही. तथापि, मुख्याध्यापकांनी अशा माघारीची माहिती स्थानिक प्रशासन मंडळाच्या पुढील बैठकीत आणि मानद सचिवांना तात्काळ सादर करावी, जे प्रकरणाच्या गुणवत्तेनुसार, शिष्यवृत्तीची रक्कम, तसेच काही नुकसान झाल्यास, पालकांकडून वसूल करण्याची आवश्यकता आहे की नाही याबाबत निर्णय घेतील.

३. वैद्यकीय कारणांमुळे माघार: प्रवेशाच्या वेळी आयोजित करण्यात येणाऱ्या प्राथमिक वैद्यकीय तपासणीव्यतिरिक्त, सेवा निवड मंडळांमध्ये (Service Selection Boards) वैद्यकीय नाकारण्याची शक्यता कमी करण्यासाठी शाळा दरवर्षी कॅडेट्सची सखोल वैद्यकीय तपासणी करेल. प्रवेश मिळाल्यानंतरही, कोणत्याही टप्प्यावर एखादा कॅडेट वैद्यकीयदृष्ट्या अनुपयुक्त आढळल्यास, आणि सक्षम वैद्यकीय प्राधिकरणाच्या मतानुसार, त्याची अक्षमता त्याला नियमित सशस्त्र दलांमध्ये प्रवेशासाठी अनुपयुक्त बनवण्याची शक्यता असल्यास, कॅडेटला दिलेली शिष्यवृत्ती तात्काळ रद्द केली जाईल. तथापि, ज्या तारखेपासून त्याला वैद्यकीयदृष्ट्या अनुपयुक्त घोषित केले गेले, त्या तारखेपासून पूर्ण शुल्क भरून त्याला शाळेत शिक्षण सुरू ठेवण्याची परवानगी दिली जाऊ शकते, बशर्ते तो इतर कॅडेट्ससाठी आरोग्याचा धोका निर्माण करत नसेल; अशा परिस्थितीत, कॅडेटला त्वरित शाळेतून काढण्यात यावे. पूर्ण शुल्क भरणारे विद्यार्थी म्हणून शिक्षण सुरू ठेवण्याची तरतूद अशा कॅडेट्सना लागू होणार नाही जे हॅन्सेन (कुष्ठ) रोगाने ग्रस्त असल्याचे आढळले आहेत, कारण सक्षम वैद्यकीय प्राधिकरणाद्वारे रोग आढळल्यास त्यांना तात्काळ शाळेतून सक्तीने काढण्यात यावे. अशा प्रकरणांची माहिती राज्य सरकारला आणि सैनिक स्कूल सोसायटीच्या मानद सचिवांना देणे आवश्यक आहे.

४. शुल्क न भरल्यामुळे माघार: सर्व शुल्क आगाऊ देय आहेत आणि ते एका वर्षासाठी किंवा तिमाहीसाठी आगाऊ भरले जाऊ शकतात. किमान तिमाही तत्वावर पेमेंट करणे आवश्यक आहे आणि ते तिमाही सुरू होण्यापूर्वी देय असावे. जर देय रक्कम ज्या महिन्यापर्यंत भरायची आहे त्या महिन्याच्या पहिल्या दिवसापर्यंत प्राप्त झाली नाही, तर पालक/पालकांना स्मरणपत्र पाठवले जाईल, ज्यात त्यांना कळवले जाईल की जर देय रक्कम महिन्याच्या १५ तारखेपर्यंत भरली नाही, तर डिफॉल्ट झाल्यास, कॅडेटचे नाव शाळेच्या पटलावरून कमी केले जाईल आणि त्याला घरी पाठवले जाईल. पंधरा दिवसांची वाट पाहिल्यानंतर, कॅडेटला पालकांच्या खर्चावर घरी पाठवले जाऊ शकते आणि हा खर्च खबरदारीच्या रकमेतून (caution money) वजा केला जाईल. तथापि, शाळेचे सर्व देय बाकी पूर्ण केल्याशिवाय आणि कॅडेटने शिष्यवृत्तीचा लाभ घेतला असल्यास ती परत केल्याशिवाय, शाळा सोडल्याचा/स्थानांतरण प्रमाणपत्र (school leaving/transfer certificate) जारी केले जाणार नाही. पालक/पालकांकडून शुल्क भरण्यात या स्वरूपाची वारंवार चूक झाल्यास, शाळेला स्मरणपत्र पाठवणे बंधनकारक राहणार नाही, आणि अशा शेवटच्या स्मरणपत्रामध्ये यासंबंधी योग्य इशारा समाविष्ट असेल.

५. पालकांच्या विनंतीनुसार माघार: सर्व कॅडेट्सना शाळेत या समजुतीने प्रवेश दिला जातो की ते संपूर्ण अभ्यासक्रमासाठी शाळेत राहतील. जर कोणत्याही पालकांना त्यांचे मूल कोणत्याही कारणास्तव, ज्यात शुल्क/शिष्यवृत्तीचा फेरबदल समाविष्ट आहे, काढून घ्यायचे असेल, तर पालकांनी पुढील सत्राच्या सुरुवातीस किमान दोन महिने आधी मुख्याध्यापकांना लेखी स्वरूपात माघार घेण्याची सूचना देणे आवश्यक आहे. ही सूचना देण्यास अयशस्वी झाल्यास खबरदारीची रक्कम जप्त केली जाईल. ज्या कॅडेट्सचे पालक शिष्यवृत्ती प्राप्त करत आहेत, ते केवळ कॅडेटने उपभोगलेल्या एकूण शिष्यवृत्तीची रक्कम परत केल्यानंतरच त्यांना माघार घेऊ शकतात.